बदलाव की गाथा

परिवर्तन (उपन्यास), अर्चना पैन्यूली, अभिरुचि प्रकाशन,शाहदरा, दिल्ली-32, मूल्य: 300 रुपये, पृष्ठ: 512

यह उपन्यास मूलत: तीन पीढ़ियों के परिवर्तनों का साक्षी है। पीढ़ियों के अंतराल में बदलते मूल्य और परिस्थिति के मुताबिक खुद को ढालने की मानव की क्षमता का यह बेहद बारीक विवेचन करता है। जो जैसा जीया, वैसा पेश कर दिया- लेखिका की चेष्टा इस मायने में महत्वपूर्ण कही जाएगी कि देश से दूर रहकर डेनमार्क में उन्होंने उत्तरांचल को भीतर तक महसूस किया है। हाल के समय में पहाड़ को साहित्य में उकेरने के बहुतेरे प्रयास हुए हैं और यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे वहां की असमतल जिंदगी के कठोर सच उभर कर सामने आए हैं। पहाड़ की संघर्ष से जूझती महिलाओं का चित्रण करने में लेखिका सफल रही हैं। लेखिका की जिस गहन दृष्टि का परिचय इस उपन्यास में मिला है, उससे उनसे बड़ी अपेक्षाओं का जगना संभव है।